श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

॥ श्रीहयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावळिः ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using LaTeX and the **skt** font.

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ श्रीहयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावळिः ॥

1	ओं हयग्रीवाय नमः	18	ओं निरञ्जनाय नमः
2	ओं महाविष्णवे नमः	19	ओं निष्कलङ्काय नमः
3	ओं केशवाय नमः	20	ओं नित्यतृप्ताय नमः
4	ओं मधुसूदनाय नमः	21	ओं निरामयाय नमः
5	ओं गोविन्दाय नमः	22	ओं चिदानन्दमयाय नमः
6	ओं पुण्डरीकाक्षाय नमः	23	ओं साक्षिणे नमः
7	ओं विष्णवे नमः	24	ओं शरण्याय नमः
8	ओं विश्वम्भराय नमः	25	ओं सर्वदायकाय नमः
9	ओं हरये नमः	26	ओं श्रीमते नमः
10	ओं आदित्याय नमः	27	ओं लोकत्रयाधीशाय नमः
11	ओं सर्ववागीशाय नमः	28	ओं शिवाय नमः
12	ओं सर्वाधाराय नमः	29	ओं सारस्वतप्रदाय नमः
13	ओं सनातनाय नमः	30	ओं वेदोद्धर्त्रे नमः
14	ओं निराधाराय नमः	31	ओं वेदनिधये नमः
15	ओं निराकाराय नमः	32	ओं वेदवेद्याय नमः
16	ओं निरीशाय नमः	33	ओं प्रभूत्तमाय नमः
17	ओं निरुपद्रवाय नमः	34	ओं पूर्णाय नमः

35	ओं पूरयित्रे नमः	54	ओं शरण्याय नमः
36	ओं पुण्याय नमः	55	ओं परमेश्वराय नमः
37	ओं पुण्यकीर्तये नमः	56	ओं शान्ताय नमः
38	ओं परात्पराय नमः	57	ओं दान्ताय नमः
39	ओं परमात्मने नमः	58	ओं जितक्रोधाय नमः
40	ओं परज्योतिषे नमः	59	ओं जितामित्राय नमः
41	ओं परेशाय नमः	60	ओं जगन्मयाय नमः
42	ओं पारगाय नमः	61	ओं जन्ममृत्युहराय नमः
43	ओं पराय नमः	62	ओं जीवाय नमः
44	ओं सर्ववेदात्मकाय नमः	63	ओं जयदाय नमः
45	ओं विदुषे नमः	64	ओं जाड्यनाशनाय नमः
46	ओं वेदवेदान्तपारगाय नमः	65	ओं जपप्रियाय नमः
47	ओं सकलोपनिषद्वेद्याय नमः	66	ओं जपस्तुत्याय नमः
48	ओं निष्कलाय नमः	67	ओं जापकप्रियकृते नमः
49	ओं सर्वशास्त्रकृते नमः	68	ओं प्रभवे नमः
50	ओं अक्षमालाज्ञानमुद्रायुक्त- हस्ताय नमः	69	ओं विमलाय नमः
51	ओं वरप्रदाय नमः	70	ओं विश्वरूपाय नमः
52	ओं पुराणाय नमः	71	ओं विश्वगोप्त्रे नमः
53	ओं पुरुषश्रेष्ठाय नमः	72	ओं विधिस्तुताय नमः

73	ओं विधीन्द्रशिवसंस्तुत्याय नमः	91	ओं ज्ञानदाय नमः
74	ओं शान्तिदाय नमः	92	ओं वाक्पतये नमः
75	ओं क्षान्तिपारगाय नमः	93	ओं योगिने नमः
76	ओं श्रेयःप्रदाय नमः	94	ओं योगीशाय नमः
77	ओं श्रुतिमयाय नमः	95	ओं सर्वकामदाय नमः
78	ओं श्रेयसांपत्ये नमः	96	ओं महायोगिने नमः
79	ओं ईश्वराय नमः	97	ओं महामौनिने नमः
80	ओं अच्युताय नमः	98	ओं मौनीशाय नमः
81	ओं अनन्तरूपाय नमः	99	ओं श्रेयसांगतये नमः
82	ओं प्राणदाय नमः	100	ओं हंसाय नमः
83	ओं पृथिवीपतये नमः	101	ओं परमहंसाय नमः
84	ओं अव्यक्ताय नमः	102	ओं विश्वगोप्त्रे नमः
85	ओं व्यक्तरूपाय नमः	103	ओं विराजे नमः
86	ओं सर्वसाक्षिणे नमः	104	ओं स्वराजे नमः
87	ओं तमोहराय नमः	105	ओं शुद्धस्फटिकसङ्काशाय नमः
88	ओं अज्ञाननाशकाय नमः	106	ओं जटामण्डलसंयुताय नमः
89	ओं ज्ञानिने नमः	107	ओं आदिमध्यान्तरहिताय नमः
90	ओं पूर्णचन्द्रसमप्रभाय नमः	108	ओं सर्ववागीशवरेश्वराय नमः

॥ इति श्रीहयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावळिः सम्पूर्णा ॥